Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code

PGDVD-101

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December-2023

P.G. Diploma in Vedic Darshan, Semester: First

दर्शन : प्रश्न-पत्र : प्रथम

सांख्यकारिका-योग

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(15×3=45)**

1. तीन प्रकार के दुःखों की निवृत्ति का उपाय क्या है? स्पष्ट कीजिए।

2. प्रमेयभूत 25 तत्वों का परिचय दीजिए।

3. सांख्यकारिका के अनुसार प्रमाण कितने हैं? सविस्तार वर्णन करें।

4. समापत्ति क्या है? प्रमाणपूर्वक उल्लेख करें।

5. योग के बहिरंग साधन कौन–कौन से हैं ? प्रत्येक की व्याख्या कीजिए।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (7) लघु–उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच (5) अंक निर्धारित हैं। किन्हीं पाँच (5) प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. विद्यमान पदार्थों के अनुपलब्धि के कारणों का उल्लेख करें।

7. गुणों के स्वरूप को कारिका के द्वारा स्पष्ट कीजिए।

8. बुद्धि के लक्षण तथा धर्मों को स्पष्ट कीजिए।

9. प्रकृति– पुरुष के संयोग में क्या हेतु है?

10. चित्त की वृत्तियाँ कितनी है? प्रत्येक की व्याख्या करें।

11. योग दर्शन में वर्णित मन की एकाग्रता के उपायों का वर्णन करें।

12. वासनाओं का अभाव कैसे होता है? संक्षिप्त वर्णन करें।

----------x----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code

PGDVD-102

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December-2023

P.G. Diploma in Vedic Darshan, Semester: First

Sanskrit

Sanskrit Vyakaran

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(15×3=45)**

1. हरि और गुरु शब्द के सभी रूप लिखें।
2. भू और हस् धातु के पांच लकारों में सभी रूप लिखें।
3. कारक के विषय में विस्तार से लिखें।
4. वर्णोच्चारण शिक्षा के अनुसार वर्णों के स्थान निरूपण करें।
5. षष्ठी विभक्ति के प्रयोगसम्बन्धी सभी नियम लिखें।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (8) लघु–उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच (5) अंक निर्धारित हैं। किन्हीं पाँच (5) प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. गुण सन्धि और यण सन्धि के उदाहरण प्रस्तुत करें।
7. रमा शब्द के सभी रूप लिखें।
8. राम शब्द के सभी रूप लिखें।
9. कृ और अस् धातु के लट् लकार के सभी रूप लिखें।
10. पच् और नम् धातु के लृट् लकार के सभी रूप लिखें।
11. सेव धातु के लट् लंड् और लृट लकार के मध्यम पुरुष के सभी रूप लिखें।
12. हिन्दी भाषा में अनुवाद करें।

अत्र एकः बालकः अस्ति,
तत्र नृपाः सन्ति
बालकाः विद्यालयं गच्छन्ति।
त्वम् अत्र किं करोषि।
अहम् अत्र भोजनं करोमि।

13. संस्कृत भाषा में अनुवाद करें।

वह पढ़ता है।
वे सब विद्यालय जाते हैं।
वे दोनों हंसते हैं।
तुम सत्य बोलते हो।
बालक घर आता है।

----------x----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
PGDVD-103

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December – 2023

P.G. Diploma in Vedic Darshan, Semester: First

संस्कृत : प्रश्न-पत्र : तृतीय

संस्कृतसाहित्यम्

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. ईशोपनिषद् का परिचय देते हुए विद्या-अविद्या के विषय में मंत्रार्थ सहित विशद् व्याख्या करें।
2. केनोपनिषद् के प्रथम खण्ड में वर्णित "ब्रह्म" के स्वरूप का वर्णन करें।
3. कठोपनिषद् में वर्णित आत्मा के स्वरूप को श्लोक सहित स्पष्ट करें।
4. प्रश्नोपनिषद् के अनुसार तप, ब्रह्मचर्य श्रद्धा (तीन समिधाएं) क्या हैं? विवेचना कीजिए।
5. श्रेयमार्ग, प्रेयमार्ग से क्या समझते हैं? विस्तार से समझाइये।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. "उपनिषद्" शब्द का क्या अर्थ है? उपनिषद् के विषय में (इसके परिचय में) अपने विचार प्रस्तुत करें।
7. "असुर्या नाम ते लोका. .....।" मंत्र लिखकर इसकी व्याख्या करें।
8. "इह चेदवेदीदथ सत्यमस्ति. ....." को लिखकर इसके अभिप्राय को स्पष्ट करें।
9. "न वित्तेन तर्पणीयो मनुष्यो" को समझाते हुए टिप्पणी लिखिए।
10. संभूति तथा असंभूति को समझाइये।
11. ब्रह्म की सोलह कलाओं का उल्लेख करें।
12. कठोपनिषद् में वर्णित ब्रह्म के स्वरूप के विषय में कोई एक श्लोक लिखकर व्याख्या करें।

----------x----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
PGDVD-104

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December – 2023

P.G. Diploma in Vedic Darshan, Semester: First

दर्शन : प्रश्न-पत्र : चतुर्थ

दर्शन, प्रबोध

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. योग के उपविक्षेप (उपविघ्न) कितनें और कौन से हैं? इनके नाश के उपाय बताइये।
2. सांख्य दर्शन में कुल कितने तत्व हैं? ओर वे कौन-कौन से हैं?
3. योग के अङ्ग कितने और कौन-से हैं?
4. शास्त्रों में प्रमाणों का क्या प्रयोजन हैं? प्रमाणों का क्या स्वरूप हैं? सांख्य दर्शनानुसार स्पष्ट करें।
5. आत्मा से लेकर अपवर्ग तक सभी 12 प्रमेयों का लक्षण बताइये।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. क्या जीवात्मा स्वभाव से बन्धन में रहता है? आत्मा के बन्धन का क्या कारण है?
7. योग दर्शनानुसार चित्त की अवस्थाओं की व्याख्या करें एवं योग का परिणाम बताइए।
8. जब तक प्रकृति-पुरूष इन्द्रियों से उपलब्ध (प्रत्यक्ष) ही नहीं होते तो उनका अस्तित्व कैसे माना जा सकता है? स्पष्ट करें।
9. ध्यान का क्या स्वरूप है? ध्यान की सिद्धि किस उपाय से होती है?
10. विवेकज्ञान होने पर समस्त कर्मों का क्षय हो जाता है? फिर विवेकी शरीर धारण क्यों किये रहता है?
11. शरीर के कितने भेद है? वैशेषिक दर्शनानुसार स्पष्ट करें।
12. सांख्यदर्शनानुसार पुरूष (आत्मा) शरीर आदि से भिन्न है? इसमें क्या प्रमाण है?

----------x----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
PGDVD-105

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December – 2023

P.G. Diploma in Vedic Darshan, Semester: First

दर्शन : प्रश्न-पत्र : पंचम

वैदिक साहित्य

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. निर्धारित पाठ्य-पुस्तक "स्वाध्यायामृत" में से किन्हीं तीन मंत्रों को लिखकर व्याख्या करें।
2. बृहदारण्यकोपनिषद् में वर्णित 'याज्ञवल्क्यमैत्रेयीसंवाद' को प्रसंग सहित विस्तार से लिखिए।
3. श्रीमद्भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय में वर्णित आत्मा के स्वरूप को श्लोक सहित स्पष्ट करें।
4. श्रीमद्वाल्मीकीयरामायण के श्लोकों सहित श्रीरामचन्द्र जी के व्यक्तित्व को समझाइये।
5. स्थितप्रज्ञ किसे कहते हैं? सश्लोक व्याख्या करें।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. "अन्ति सन्तं न जहात्यन्ति सन्तं न पश्यति" मंत्र को पूर्ण करके इसके अभिप्राय को स्पष्ट करें।
7. प्रजापति के द-द-द के उपदेश को समझाइये।
8. सीता माता के पतिव्रत धर्म को श्लोक सहित लिखिए।
9. गीता के कर्मयोग के विषय में कोई दो श्लोक लिखकर भाव स्पष्ट करें।
10. ऋचो अक्षरे परमे. ..... मंत्र को पूर्ण करके इसका अभिप्राय भी लिखें।
11. मन की चंचलता के विषय में गीता के कोई दो श्लोक लिखकर अर्थ स्पष्ट करें।
12. हनुमान जी के चरित्र को स्पष्ट करते हुए कोई दो श्लोक लिखिए।

----------X----------